



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 51]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 18, 2002/फाल्गुन 27, 1923

No. 51]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 18, 2002/PHALGUNA 27, 1923

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2002

सं. टीएमपी/67/2001-सीएचपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार लौह अयस्क के प्रहस्तन की दरों में संशोधन के लिए चेन्नई पत्तन न्यास के प्रस्ताव से संबंधित मामले को पुनः खोलता है।

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

मामला सं. टीएमपी/67/2001-सीएचपीटी

चेन्नई पत्तन न्यास (सीएचपीटी)

.....आवेदक

आदेश

(मार्च, 2002 के 11वें दिन पारित किया गया)

इस प्राधिकरण ने लौह अयस्क के प्रहस्तन की दरों में संशोधन के लिए सीएचपीटी के प्रस्ताव से संबंधित मामले में 25 फरवरी, 2002 को एक आदेश पारित किया था। यह आदेश 27 फरवरी, 2002 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया था। उक्त आदेश में, इस प्राधिकरण ने प्रस्ताव के विश्लेषण के लिए अपेक्षित सूचना के अभाव में इस मामले को बन्द करने का निर्णय लिया था। इस मामले के बन्द करते समय यह निर्णय लिया गया था कि लौह अयस्क के प्रहस्तन प्रभारों से संबंधित स्थिति को सीएचपीटी प्रशुल्क के अप्रैल, 2002 में होने वाले अगले सामान्य संशोधन/पुनर्विचार के समय विचार किया जा सकता है।

2. हालांकि इस मामले को बन्द करने से पूर्व, सीएचपीटी द्वारा अपेक्षित ब्यौरे प्रस्तुत करने के लिए 22 फरवरी, 2002 की समय-सीमा निर्धारित की गई थी, परन्तु सीएचपीटी ने यह ब्यौरे 28 फरवरी, 2002 को प्रस्तुत किए।

3.1 तत्पश्चात्, मामले को बन्द करने के निर्णय के संदर्भ में सीएचपीटी ने 6 मार्च, 2002 के पत्र द्वारा अनुरोध किया है कि इस मामले को बन्द करने के अपने निर्णय पर यह प्राधिकरण निम्नलिखित कारणों को ध्यान में रखकर पुनर्विचार करे :—

- (i) सीएचपीटी के कंटेनर टर्मिनल में नई बीओटी व्यवस्था, कोयला यातायात का एनोर पतन में स्थानांतरण, कर्मचारियों के लिए विशेष स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना आदि के मद्देनजर पूर्व संकलित लागत विवरणों में बहुत-से परिवर्तन करने पड़े।
- (ii) सीएचपीटी के अधिकारी विभिन्न संसदीय समितियों, प्राक्कलन समिति और लोक लेखा समिति से संबंधित कार्य के लिए पूर्वाधिकृत किए गए थे। इन समितियों ने सीएचपीटी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सीएचपीटी का दौरा किया था।

3.2 इस प्राधिकरण को सूचना देने में हुए विलंब पर खेद व्यक्त करते हुए सीएचपीटी ने इस बात का मुख्य रूप से उल्लेख किया है कि लौह अयस्क प्रहस्तन गतिविधि से उसे भारी नुकसान हो रहा है।

4. इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि सीएचपीटी ने अपेक्षित ब्योरे अब प्रस्तुत कर दिए हैं, यह प्राधिकरण इस मामले में नरम रुख अपनाते हुए, मामले को बन्द करने के अपने पूर्व निर्णय पर पुनर्विचार करता है।

तदनुसार, समग्र विचार-विमर्श के आधार पर यह प्राधिकरण गुण-दोषों के आधार पर विचार के लिए इस मामले को पुनः खोलने का निर्णय लेता है। चूंकि प्रयोक्ताओं से पहले ही विचार-विमर्श किया जा चुका है और इस मामले में संयुक्त सुनवाई भी पहले ही की जा चुकी है, इसलिए अब इस मामले को सीएचपीटी द्वारा दिए गए ब्योरों की जाँच करने के पश्चात् अंतिम विचार-विमर्श के लिए रखा जाएगा।

एस. सत्यम, अध्यक्ष

[सं. विज्ञापन/III/IV/143/असाधारण/2001]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th March, 2002

No. TAMP/67/2001-CHPT.—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby reopens the case relating to a proposal of the Chennai Port Trust for revision of rates for handling of iron ore as in the Order appended hereto.

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

(No. TAMP/67/2001-CHPT)

The Chennai Port Trust (CHPT)

..... Applicant

ORDEER

(Passed on this 11th day of March 2002)

This Authority had passed an Order on 25 February, 2002 in the case relating to the proposal of the CHPT for revision of rates for handling iron ore which was notified in the Gazette of India on 27 February, 2002. In the said order, this authority had decided to close the case for want of the information required to analyse the proposal. While closing the case, it was decided that the position relating to iron ore handling charges could be taken up for review at the time of the next general revision/review of the CHPT tariff which was due in April, 2002.

2. Even though a deadline of 22 February, 2002 was fixed for submission of the requisite details by the CHPT before closing the case, it has submitted the details on 28 February, 2002.

3.1 Subsequently, with reference to the decision to close the case, the CHPT vide its communication dated 6 March, 2002 has requested this Authority to review its decision to close the case for the following reasons :

- (i) Cost statements compiled earlier had to undergo a lot of changes in view of the new BOT arrangement at its container terminal, shifting of coal traffic to Ennor Port, special VRS to employees, etc.

- (ii) Its officials were pre-occupied with the work relating to different Parliamentary Committees, Estimates Committee and Public Accounts Committee which visited the CHPT to discuss various issues concerning the CHPT.

3.2 While regretting the delay in furnishing information to this Authority, the CHPT has also highlighted that it loses heavily on iron ore handling activity.

4. Bearing in mind the fact that the CHPT has now submitted the requisite details, this authority takes a lenient view of the matter and is inclined to reconsider its earlier decision to close the case.

5. Accordingly, based on a collective application of mind, this Authority hereby decides to re-open this case for consideration on merits. Since consultation with users has already been made and a joint hearing in this case has also been set up already, this case will be now taken up for final consideration, after scrutiny of the details furnished by the CHPT.

S. SATHYAM, Chairman

[No. ADVT/III/IV/143/Ext/2001]

